LOOK N LEARN
CHILDREN'S JAIN MAGAZINE

25th March 2016 | Every Fortnight | English, Hindi & Gujarati

Rs. 5.00/-

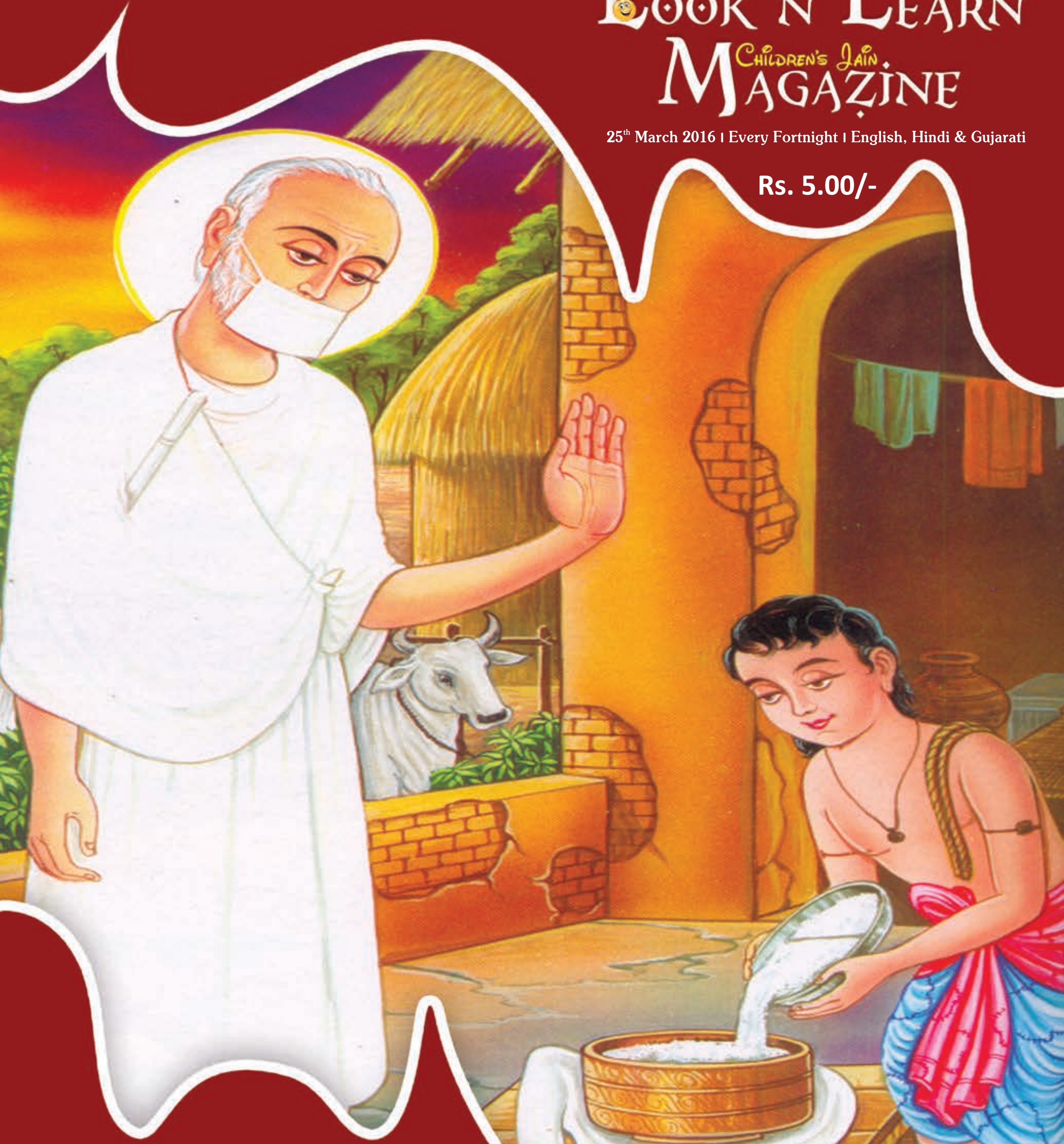

हम आते हैं आपके घर,

आपके good luck increase करवाने...

आप पात्रा में जो वहोराते हैं, वही हम लेते है...

बोलो बच्चो आप हमे कौनसा दान देते है?

सुपात्र दान

Year - 9, Vol: 7, Issue: 04, Date: 25.03.2016
Editor: Ashokbhai Sheth 20, Vanik Niwas, 1st floor, Cama Lane, Ghatkopar (West), Mumbai - 400 086.

सुपात्रदान (Supatra Daan)

पंचमहाव्रत धारी साधु-साध्वीजी को आहार और अन्य जरुरियात की वस्तुएँ वहोराने को सुपात्रदान कहतें है।

Offering essentials like food, medicines, clothes etc to Pujya Sadhu-Sadhviji is called Supatra Daan!

पूज्य साधु-साध्वीजी को हम क्या वहोरा सकतें है?
What essentials can we offer to Pujya Sadhu-Sadhviji?

14

पूज्य साधु-साध्वीजी को १४ प्रकार की चीजें वहोरा सकतें है।

We can offer 14 types of essentials to Pujya Sadhu-Sadhviji

उसमें से ६ पाढ़ीयारी और आठ अपाढ़ीयारी वस्तुएँ है।

Out of which 6 are Padhiyari and 8 are Apadhiyari

पाढ़ीयारी (Padhiyari)

जो चीजें पुज्य साधु-साध्वीजी इस्तेमाल करके

लोटा देते हैं उसे पाढ़ीयारी वस्तु कहते है।

Items that Pujya Sadhu-Sadhviji return after using are called Padhiyari things.

फलक	औषध	स्थानक	सुखे घास का बिछोना
			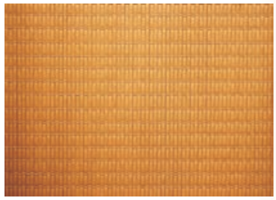
Wooden plank	Medicines	Upashray	Coir mattress

अपाढ़ीयारी (Apadhiyari)

जो चीजें पूज्य साधु-साध्वीजी इस्तेमाल के बाद

हमें लोटाते नहीं उसे अपाढ़ीयारी वस्तुएँ कहते है।

Items that Pujya Sadhu-Sadhviji cannot return after using are called Apadhiyari things.

भोजन	उबला हुआ पानी	पात्रा	कपड़े
Cooked Food	Boiled Water	Patra	Clothes

बच्चों, अगर सुपात्रदान करने का अवसर रोज प्राप्त न हो तो निराश नहीं होना चाहिए, हम भाव से रोज सुपात्रदान का लाभ ले सकतें है।

Dear kids, we may not be fortunate enough to get the opportunity of Supatra Daan everyday. Therefore our Pujya Gurudev has blessed us with a unique concept. Just follow the below mentioned simple routine!

01

हर रोज खाना खाने से पहले
अपनी आंखे बंद करके,
अपनी थाली मस्तक से लगाए

01

Every day after serving your plate and before eating food, close your eyes and raise the plate to the forehead

02

लोक में बिराजमान सभी
साधु-साध्वीजी को वहोराने
की भावना करनी चाहिए

02

Our intention should be to offer Jain food to Pujya Sadhu-Sadhviji

पूज्य साधु-साध्वीजी को गोचरी कैसे वहोरानी चाहिए?

What is the correct method of offering food to Pujya Sadhu-Sadhviji?

सबसे पहले अपने घरके नजदिक धर्म स्थानक में जाकर पूज्य साधु-साध्वीजी को पधारने की विनंती करनी चाहिए।

First of all we should go to the nearest upashray and request Pujya Sadhu-Sadhviji to come to our home for gochari.

पूज्य साधु-साध्वीजी के आवकार के लिए घर के दरवाजें हमेशा खुल्ले रखने चाहिए।

We must welcome them with open doors and open heart.

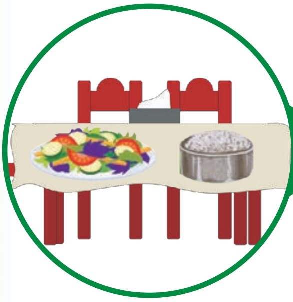

सचेत और अचेत वस्तुओं को अलग अलग जगह रखनी चाहिए। हरी सब्जी,सचेत पानी, सेलेड वगेरे सचेत हैं और उसे पके हुए खाने के साथ नहीं रखना चाहिए।

Always keep Sachet & Achet things at different place. Green vegetables, unboiled water, salad etc should be kept away from cooked food.

उनके रास्ते में कुड़ा, कचरा या पानी ना पडा हो यह ध्यान रखना चाहिए।

We should be alert that their path is clear from any garbage, water or dirt.

वहोराते समय हमें ध्यान रखना चाहिए की भोजन पात्रा से बाहर न गिरे।

While serving food take care that food does not spill out of patra.

पुज्य साधु-साध्वीजी को हम क्या वहोरा नहीं सकते?

What we should avoid, when we offer anything to Pujya Sadhu-Sadhviji?

बीजवाले फल

Fruits with seeds

सचेत पानी

Unboiled Water

कच्चा आहार

Uncooked Food

सेलेड

Raw Salad

सचेत नमक

Unroasted Salt

विनय (Respect)

पूज्य साधु-साध्वीजी जब हमारे घर पधारें तब उन्हें "पधारो पधारो" कहकर सत्कार करना चाहिए।

Whenever Sadhu-Sadhviji visit our home we should respect and welcome them by saying "Padharo Swami".

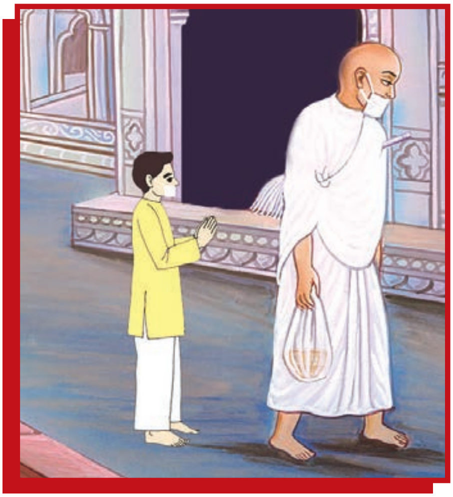

गोचरी व्होराने के बाद साधु-साध्वीजी के साथ धर्म स्थानक तक जाना चाहिए।

After offering Gochari, we should be courteous enough to go back to Upashray with Pujya Sadhu-Sadhviji.

शुभ भावना

हमें अपने आपको खुश नसीब मानना चाहिए की हमें सुपात्रदान करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। पूज्य साधु-साध्वीजी को वहोराने का आज हमें शुभ अवसर प्राप्त हुआ हैं। आज में संयम ग्रहण नहीं कर सकता हुँ, किंतु संयमी आत्माओंको वहोराने का मुझे सुअवसर प्राप्त हुआ है। वह ध्यान साधना कर सके उनकी सारी शुभ क्रिया में सुपात्र दान देकर हम सपोर्टर बन सकें और हम भी उनके जैसे साधना कर सकें।

- Nysha Doshi

बच्चों यदी आपके घर में पुज्य साधु भगवंत पधारे और उस समय गोचरी तैयार नहीं है, तो क्या आप सूपात्रदान नहीं कर सकते?

नहीं...

हम उन्हें घर में तैयार पड़ी हुइ चीजे उनके खप के अनुसार वहोरा सकते है...

जैसे की...

Milk and Butter Milk

Jaggery

Papers

Gram Flour

Sugar

Stationery

Sunth Powder

Medicines

हमारा विनय और विवेक होना चाहिए की वे हमारे घर से बीना कुछ लिए न जाए... जिनके good luck होते है उनके घर ही साधु-साध्वीजी पधारते है...

Ayushmaan Bhava
A Blessing For A Lifetime Of Good Health Is Born With Your Baby
Preserve Your Baby's Umbilical Cord Stem Cells At Birth
Now At Just ₹9990*

LifeCell™
Call 1800 419 5555 | SMS 'LIFECELL' TO 53456 | www.lifecell.in
*Terms & Conditions Apply

JEMS OF JAINISM

“भावे भावना भावीए,भावे दीजे दान
भावे धर्म आराधीए, तो भावे केवळज्ञान”

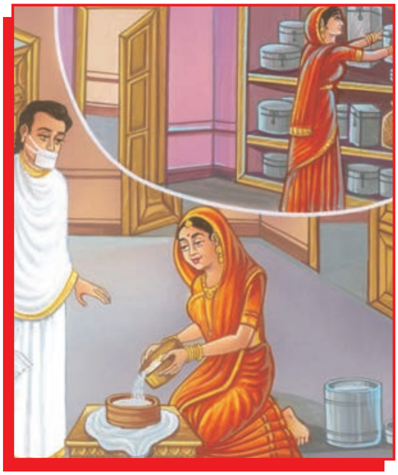

पूज्य साधु भगवंतको वहोराने के लिए क्या केवल द्रव्यही जरुरी है? नहीं... द्रव्य के साथ शुभ भाव बहुत जरुरी है!

आज तक हमें गोचरी वहोराने का लाभ अनेक बार मिला है, लेकीन क्या हमें केवलज्ञान हुआ? क्या हमने तीर्थंकर नाम कर्म बाँधा?

No नही! ऐसा क्यु?

ऐसा इसलीए की हर बार सुपात्र दान देते समय हमारे भाव में कमी थी सुपात्रदान एक ऐसा golden chance है जो आपको घर बैठे, बीना कीसी अन्य पुरुषार्थ के, एक बार में ही समकीत (True Faith) की प्राप्ती करवादे जो हमारे past bad luck को good luck में convert कर दे...

आओ बच्चो पहेचाने इन “Jems of Jainism” को जिन्होने एक बार शुभ भाव से सुपात्र दान दीया...

चलो जाने उन्होने क्या वहोराया और क्या पाया!

नयसार

जंगल में मुनीओ को अपना भोजन वहोराया और समकीत की प्राप्ती कर भविष्य में महावीर भगवान बने...

श्रेयांसकुमार

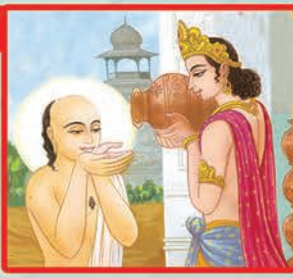

प्रभु ऋषभदेव को गन्ने का रस वहोराया और भविष्य में संयमी बने...

चंदनबाळा

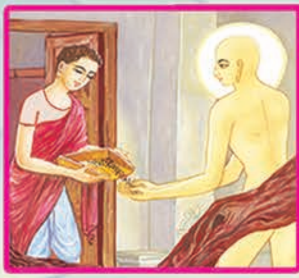

प्रभु महावीर को बाकुडा वहोराया, अपने हाथों की बेडी से मुक्त होकर साध्वी बने और मोक्ष में गए...

संगम गोवाळ

अपनी प्रीय खीर साधु भगवंत को वहोराई और भविष्य में शालीभद्र शेठ बने...

अइमुत्ता कुमार

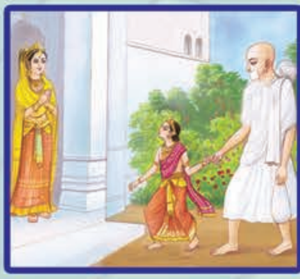

६ साल की उम्र में गौतम स्वामी को गोचरी वहोराई... संयम जीवन स्वीकार कर मोक्ष पद पाया...

धन्ना सार्थवाह

जंगल में अपने पास योग्य द्रव्य न होने के कारण साधु भगवंतो को घी का दान दीया, समकीत की प्राप्ती करके भविष्य में ऋषभदेव भगवान बने...

शंखराजा

पुज्य साधु भगवंतो को द्राक्ष का पाणी वहोराया,
भविष्य में २२में तीर्थंकर श्री नेमनाथ स्वामी बने...

रेवती श्राविका

महावीर स्वामी के लिए मुनि को आयुर्वेदिक औषधे वहोराई
और भविष्य में तीर्थंकर नाम गोत्र कर्म बाँधा...

जयंतिका श्राविका

पुज्य साध्वीजी को रहने की जगह देकर शैयादान दीया,
भविष्य में मोक्ष पद की प्राप्ती हुई...

सकडाल पुत्र

प्रभु महावीर को शैयादान दीया,
भविष्य में समकीत की प्राप्ति हुई...

सुमुख गाथा पति

शुद्धभाव से आहार मुनी को वहोराया,
भविष्य में मनुष्य भव को पाया...

देखा बच्चो एक बार भाव से कीया हुआ सुपात्र दान अनंता कर्मो का क्षय कर के मोक्ष पद की प्राप्ती कराता है, तो अगली बार सुपात्र दान करते समय आप भी इन Jems of Jainism को याद करना और उत्कृष्ट भाव से सुपात्र दान करना...

सुबाहु कुमार

आगम में धर्म के चार प्रकार बतायें है। दान, शील, तप और भाव, इन में दान सबसे प्रथम है और उस में भी सुपात्र दान सर्वश्रेष्ठ है। क्योंकि सुपात्र दान देने से अहिंसा, संयम और तप की आराधना होती है। आगम के सुखविपाक सूत्र के प्रथम अध्ययन में सुबाहु कुमार की जीवन यात्रा का निर्देश है।

परमात्मा महावीर के शिष्य इन्द्रभूति गौतम ने प्रभु से पूछा- "अहो भगवन्! यह सुबाहु कुमार बड़े ही सुंदर, सौम्य, शांत, सुशील और प्रतिभावन है। सबके प्रिय है, एसा क्यों ? उन्हें इतनी समृद्धि कैसे प्राप्त हुई? सुबाहु कुमार का पूर्व भव क्या था प्रभु" ?

परमात्मा ने उतर दिया, "सुपात्र दान देने की उत्कृष्ट शुभ भावना के कारण उन्हें यह सारी उपलब्धियाँ प्राप्त हुई है"

सुबाहु कुमार का पूर्व भव -

हस्तिनापुर नाम का एक समृद्ध नगर था। वहाँ सुमुख नाम के एक धनाढय गाथापति रहते थे।

एक दिन धर्म घोष मुनि के शिष्य मास क्षमण तप की आराधना कर रहे थे। वह पारणे के दिन गोचरी व्होराने के लिए विचरते विचरते सुमुख गाथापति के यहाँ पधारते है।

सुमुख उन्हें देखकर अत्यन्त प्रसन्न हो जाते है, भाव विभोर हो जाते है, वह अपने आसन से नीचे उतरकर पादुकाओं को उतारकर, पास पड़े हुए एक कपड़े के टुकड़े को मुख पर मुहपत्ति समान बाँधकर उन्हें वंदन नमस्कार करते है, उनका आदर सत्कार करते है और भोजनालय की और प्रस्थान करते है। वहाँ

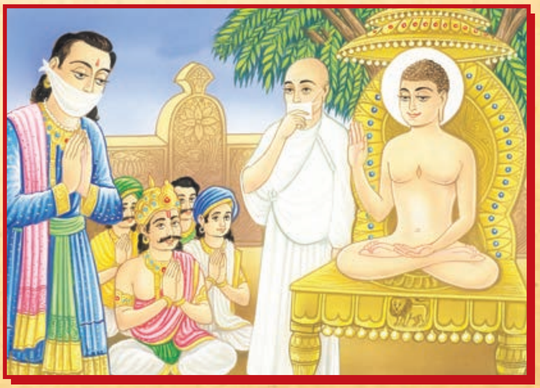

विपुल प्रमाण में आहार दान का लाभ लेकर वे अति प्रसन्नता का अनुभव करते है। वह दान देते समय भी प्रसन्न थे और दान देने के पश्चात भी प्रसन्नता का अनुभव कर रहे थे। उनकी इसी शुभ भावना के कारण वे अगले भव में सुबाहु कुमार के रुप में अति लब्धिवान, रिद्धि-सिद्धि दायक सुश्रावक हुऐ और भवांतर में उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई।

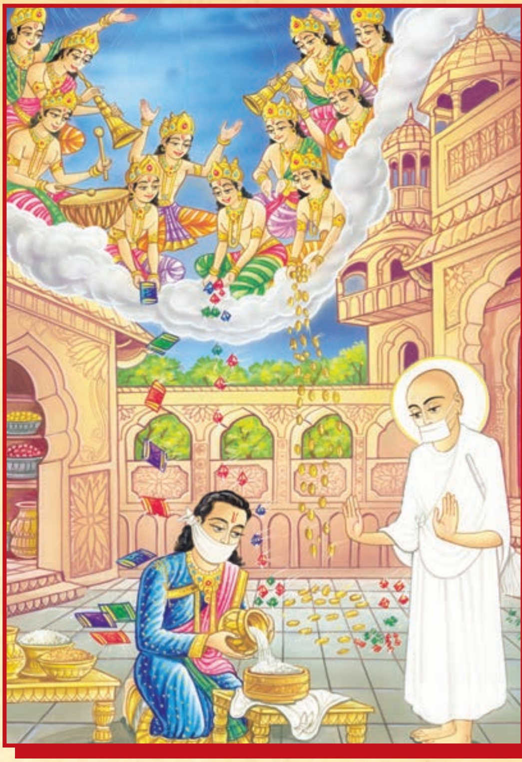

प्यारें बच्चों,

क्या थी सुबाहु कुमार की तीन उत्कृष्ट भावनाएँ?

१. आज में दान दूँगा, आज मुझे सद्भाग्य से दान देने का सुवर्ण अवसर प्राप्त हुआ है, इस शुभ विचार का प्रथम हर्ष।

२. फिर दान देते समय उनके रोम रोम से उल्लास और आनंद का भाव प्रगटना, यह दूसरा हर्ष।

३. और दान देने के पश्चात् अन्तरात्मा में आनंद व आत्म संतोष की अनुभूति होना है, यह तीसरा हर्ष।

बच्चों आपको भी आपके घर पूज्य साधु-साध्वीजी गोचरी वहोराने पधारे तो एसी ही सद्भावना करनी चाहिए।

बच्चो! बचपन से ही हमे देने की भावना सीखनी चाहिए। जब आप अपनी प्रिय वस्तु दूसरों को देना सीख जाएँगे, अपने को मिली चीजों में से कुछ चीजें बाटना सीख जाएँगे, गोचरी वहोराना और दान देना सीख जाएँगे तो भविष्य में आपको कभी भी कोई चीज मांगनी नहीं पड़ेगी अपने आप मिल जाएँगी।

सुपात्र दान के फायदे

ॐ शुध्ध भाव से सुपात्र दान करने से तीर्थंकर नाम गोत्र कर्म का बंध होता है।

ॐ पूज्य साधु-साध्वीजी के घर में पधारने से शुभ वायब्रेशन की अनुभुति होती है।

ॐ सुपात्र दान की भावना से भविष्य में कभी हमें माँगने का अवसर नहीं आता।

गोचरी तैयार रखने का उचित समय

पूज्य साधु-साध्वीजी हमारें घर किस समय पधार सकते है? क्या आप गोचरी वहोराने का समय जानते है?

❋Morning (नवकारशी)❋

7.30 am to 8.30 am

❋Afternoon (दोपहर)❋

11.00 am to 1.30 pm

❋Evening (चौविहार)❋

4.30 pm to 6.00 pm

मेरे भाव

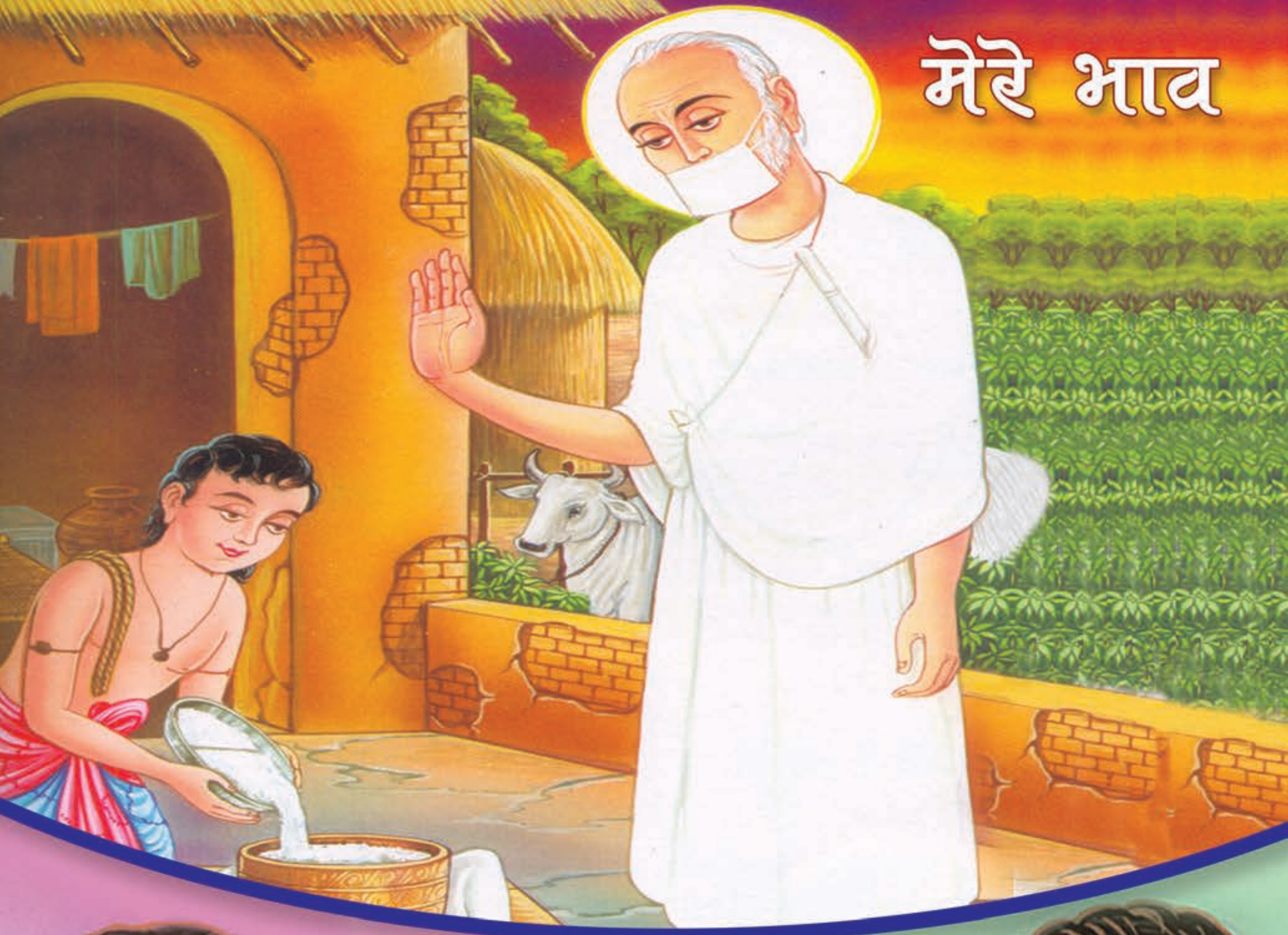

सुपात्र दान वहोराने के बाद यदि आप अहम् करते है, इगो करते हैं, अपने दोस्तो में चर्चा करते है कि आपने क्या वहोराया कैसे वहोराया, कितना वहोराया तो आपका पाप डबल हो जाता है।

सुपात्र दान वहोराने के बाद यदि आप पुरा दिन उसी भाव में रहेते है, खुश रहेते है, फिर कभी यह अमूल्य अवसर आपको कब मिलेगा यह भावना रखते है, तो आपका एक बार सुपात्र करने का पुण्य डबल होता जाता है।

આગમ ગાથા

– પરમાત્માની વાણી

ધમ્મો મંગલમુક્કિટ્ઠં, અહિંસા સંજમો તવો
દેવાવિ તં નમંસન્તિ, જસ્સ ધમ્મે સયા મણો

અહિંસા, સંયમ અને તપ રૂપ ધર્મ ઉત્કૃષ્ટ મંગલ છે,
જેનું મન ધર્મમાં સદા રત હોય તેને દેવતાઓ
પણ નમસ્કાર કરે છે.

Exclusive gift for your loved ones...

Get this magazine or gift this magazine by subscribing it!
This fortnight magazine works on building a strong,
positive, compassionate and a successful individual...

LOOK N LEARN
CHILDREN'S JAIN MAGAZINE

Just fill up the form and send your CHQ / Draft

Subscription for 10 years:
India - 1,000/-
Abroad - 5,000/-

Write in block letters only.

Name :
Address :
City : Pin :
Phone No : E-Mail :

Postal Address
Parasdham, Vallabh Baug Lane, Tilak Road,
Ghatkopar (E), Mumbai - 400 077.

Contact : 022 - 21027676
Cheque or Draft : Arham Yuva Group
E-mail : looknlearn.magazine@gmail.com

Say Whether it is Padhiyari or Apadhiyari
Write (P) for Padhiyari & (A) for Apadhiyari

01) Giving Place to Stay ☐

02) Giving Wooden plank ☐

03) Offering Butter Milk & Curd ☐

04) Offering wooden vessels ☐

05) Offering Woollen Shawl ☐

06) Offering White Clothes ☐

07) Offering First Aid Kits ☐

08) Offering books ☐

Melody for Supatra Daan

Tune: Birthday Song

बार बार दिन ये आए
बार बार दिल ये गाए
हमे मिला है अमुल्य अवसर
सुपात्र दान देने का
थेंक्यु पुज्य साधु भगवंतो को
उपकारी गुरु भगवंतो को
संयमी आत्माओ को
वंदना हमारी हो...

साधु-साध्वीजी को गोचरी वहोराते समय इन पाँच अतिचारों का ध्यान रखना चाहिए

One should avoid the following Five faults at the time of offering Gochari

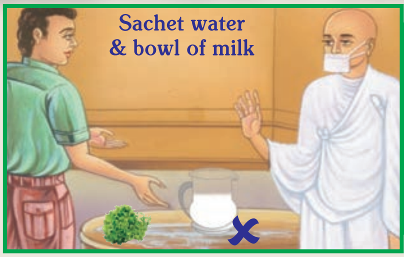

सचित्त निक्खेवणया

अचेतमां सचेत वस्तु नांखी होय

Sachitt Nikhevanya

If I mixed living with non-living things
i.e, mixing raw green vegetables with cooked food

सचित्त पेहणया

अचेत वस्तुने सचेत वस्तुथी ढांकी होय

Sachitt Pehanya

If I covered non-living things with living things

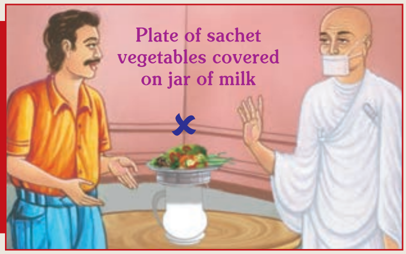

कालाइक्कमे

काल वीती गया पछी बगडेली वस्तु वहोरावी होय

Kalaikkamme

If I have offered a stale or spoiled food

परोवएसे

पोते सुझतो होवा छतां बीजाने वहोराववानुं कह्युं होय

Parovaese

If I have asked others to offer inspite of
being able to do it myself

मच्छरियाए

दान आपीने अहंकार कर्यो होय

Machhariya a

If I felt proud after offering or donating

- Gurubhakt Mehta Parivar

Tick the articles used by Sadhu-Sadhviji

Registered with Registrar of Newspapers under RNI No. MAH MUL/2011/40056
Vol. : 7, Issue : 04, Date : 25.03.2016, Postal Registration No. MNE/171/2015-17.
Date of Posting / Date of Publication 10th & 25th of every month.
Look N Learn - Posted at Mumbai patrika channel sorting office Mumbai -1

ARHAM YUVA SEVA GROUP
PAROPKAR SE PARMATMA

Arham Yuva Seva Group

PAROPKAR SE PARMATMA

PASTI SE PUSTAK

Give one month waste paper = Educate a child

Support Maha Pasti Abhiyan 4

10 April 2016

Appeal to Residential Societies, Educational Institutes, Hotels, Hospitals, Shops, Offices, Corporates to come forward and Donate Old Newspaper and be a part of noble cause

Maha Pasti Abhiyan 1
Supported 1000 blind families

Maha Pasti Abhiyan 2
Donated dialysis machine at Rajawadi Hospital, Ghatkopar

Maha Pasti Abhiyan 3
Supported 5008 children by giving education kits.

Arham Yuva Seva Group Sets Limca Record in 2015 for highest old paper collection.

To Join/Contribute in our Mission. Whatsapp your NAME and ADDRESS on 7666708869

For donating Pasti and Contributing to the noble cause, please contact:

CENTER	MOBILE	CENTER	MOBILE	CENTER	MOBILE
Andheri	: 7710084176	Ghatkopar (W)	: 9320705000	Mulund	: 7710084182
Borivali	: 7710084172	Kandivali	: 9820065901	Nalasopara	: 7710084170
Chinchpokli	: 9773975656	Kopar Khairane	: 7710084177	Parasdham	: 7710084180
Churchgate	: 9820169259	Malad	: 7710084175	Pawandham	: 7710084173/75
Dombivli	: 7710084183	Matunga	: 9820469525	Tardeo	: 9820069259
Ghatkopar (E)	: 7710084181	Mira Road	: 7710084171	Vasai	: 7710084169

Email: info@arham.org I **Website:** www.arham.org /ArhamYuvaSevaGroup /AYSGIndia

Publisher, Printer and Owner Ashok R. Sheth, Printed at : Accurate Graphics Pvt. Ltd.,
15-A, Samrat Mill Compound, L.B.S Marg, Vikhroli (W), Mumbai - 400 079.
Publish at Mumbai : 20, Vanik Nivas, Kama Lane, Ghatkopar (W), Mumbai - 86. Editor : Ashok R. Sheth